



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 707 ]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 4, 1996/अग्रहायण 13, 1918

No. 707 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 4, 1996/AGRAHAYANA 13, 1918

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुख्य, 4 दिसम्बर, 1996

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

( जोखिम पूंजी निधियां ) विनियम, 1996

का. आ. 850 ( अ ).— भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ( 1992 का 15 ) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्न विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) ये विनियम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूंजी निधियां) विनियम, 1996 कहे जाएंगे।  
(2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएं.—इन विनियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—
  - (क) “अधिनियम” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;
  - (ख) “प्रमाणपत्र” से विनियम 7 के अधीन बोर्ड द्वारा प्रदत्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;
  - (ग) “कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित कंपनी अभिप्रेत है ;
  - (घ) “आर्थिक अपराध” से वह अपराध अभिप्रेत है, जिसके लिए तत्समय आर्थिक अपराध (अभियोजन की परिसीमा) अधिनियम, 1974 (1974 का 12) लागू होता है ;
  - (ङ) “जांच अधिकारी” से विनियम 33 के अधीन बोर्ड द्वारा नियुक्त एक जांच अधिकारी अभिप्रेत है ;
  - (च) “प्ररूप” से पहली अनुसूची में दिए हुए प्ररूपों में से कोई अभिप्रेत है ;
  - (छ) “भारत सरकार मार्गदर्शी निर्देश” से भारत सरकार द्वारा भारत में अपतरीय जोखिम पूंजी विनिधानों के लिए जारी, समय-समय पर यथा संशोधित, दिनांक 20 सितम्बर, 1995 का मार्गदर्शी निर्देश अभिप्रेत है ;
  - (ज) “निरीक्षण अधिकारी” से विनियम 25 के अधीन बोर्ड द्वारा नियुक्त निरीक्षण अधिकारी अभिप्रेत है ;

- (झ) "अनुसूची" से इन विनियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (ञ) "रुग्ण औद्योगिक कंपनी" का वही अर्थ है जो रुग्ण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1985 (1986 का 1) की धारा (3) की उप-धारा (1) के खण्ड (ण) में इसके लिए नियत है ;
- (ट) "न्यास" से भारतीय न्यास अधिनियम, 1982 (1982 का 2) के अधीन स्थापित न्यास अभिप्रेत है ;
- (ठ) "यूनिटों" से न्यास के रूप में गठित जोखिम पूंजी निधि की स्कीम में विनिधानकर्ताओं का हित अभिप्रेत है, जो प्रत्येक यूनिट स्कीम की अस्तियों में एक अविभाजित शेयर के रूप में मिलकर बने हैं ;
- (ड) "जोखिम पूंजी निधि" से कंपनी या न्यास के रूप में स्थापित निधि अभिप्रेत है जो यथास्थिति, ऋण, दान, प्रतिभूतियों के निर्गम या यूनिटों के माध्यम से धन जुटाती है, और इन विनियमों के अनुसार विनिधान करती है या करने का प्रस्ताव करती है।

## अध्याय II

### जोखिम पूंजी निधियों का रजिस्ट्रीकरण

3. प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन.—(1) इन नियमों के प्रारंभ पर या बाद में जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई भी क्रियाकलाप करने का प्रस्ताव रखने वाली कोई कम्पनी या न्यास प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड को आवेदन करेगी।

(2) कोई कम्पनी या न्यास, जो इन विनियमों के प्रारम्भ की तारीख को प्रमाण पत्र के बिना जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप कर रहा है, बोर्ड को ऐसे प्रारंभ की तारीख से तीन महीने की अवधि के अंदर प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन करेगा।

परन्तु यह कि बोर्ड, विशेष मामलों में, कथित अवधि को ऐसे प्रारंभ की तारीख से अधिकतम छह महीने तक बढ़ा सकेगा।

(3) उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के अधीन प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन बोर्ड को प्रारूप क में किया जाएगा और दूसरी अनुसूची के भाग क में यथा विनिर्दिष्ट, इसके भाग ख में विनिर्दिष्ट रीति में संदष्ट की जाने वाली अप्रतिदेय आवेदन फीस से संलग्न होगा।

(4) उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट कोई कम्पनी या न्यास, जो उसमें विनिर्दिष्ट अवधि में प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए आवेदन करने में असफल रहता है, जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप करना समाप्त कर देगा।

(5) बोर्ड, विनिधिकाताओं के हित में अभिलेखों, प्रलेखों या प्रतिभूतियों के अंतरण या जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित विनिधानों के व्ययन के संबंध में निर्देश जारी कर सकेगा।

(6) विनिधानकर्ताओं के हित के संरक्षण के लिए बोर्ड अभिलेखों, प्रलेखों, प्रतिभूतियों से संबंधित कार्यभार संभालने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए ऐसी नियुक्ति के निबंधन और शर्तें भी अवधारित कर सकेगा।

4. पात्रता मानदंड.—बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाने के प्रयोजन के लिए आवेदक को विशिष्टतः निम्नलिखित शर्तें पूरी करनी होंगी; अर्थात् :—

(क) यदि कम्पनी द्वारा आवेदन किया गया है तो, क्या :—

- इसके संगम ज्ञापन में इसका मुख्य उद्देश्य जोखिम पूंजी निधि के क्रियाकलाप करना है;
- इसके संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद द्वारा इसकी प्रतिभूतियों को अभिदाय करने के लिए जनता को आमंत्रण देना प्रतिपिद्ध है;
- इसके निदेशक या प्रधान अधिकारी या कर्मचारी प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे में अंतर्ग्रस्त हैं, जिसका आवेदन के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है;
- इसका निदेशक, प्रधान अधिकारी या कर्मचारी किसी समय किसी अपराध का, जिसमें नैतिक अधमता अंतर्ग्रस्त है, या किसी आर्थिक अपराध का सिद्धोप रहा है।

(ख) यदि आवेदन एक न्यास द्वारा किया गया है, तो क्या :—

- न्यास को लिखित विलेख के रूप में है और भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के उपबंधों के अधीन सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत किया गया है;
- न्यास का मुख्य उद्देश्य जोखिम पूंजी निधि का क्रियाकलाप करना है;

(iii) इसकी न्यासी कम्पनी, यदि कोई हो, के निदेशक या कोई न्यासी प्रतिभूति बाजार से संबद्ध किसी मुकदमे में अंतर्ग्रस्त रहा है, जिसका आवेदक के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो;

(iv) इसकी न्यासी कम्पनी के निदेशकों में से कोई, यदि कोई हो, या न्यासी किसी समय किसी अपराध, जिसमें नैतिक अधमता अंतर्गस्त है, या किसी आर्थिक अपराध का सिद्धोप रहा है।

(ग) कम्पनी या न्यास को बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र नामंजूर किया गया है या जिसका प्रमाण पत्र विनियम 30 के अधीन निलंबित या विनियम 31 के अधीन रद्द किया गया है; या

5. जानकारी, स्पष्टीकरण देना.—बोर्ड आवेदक से ऐसी और जानकारी देने की अपेक्षा कर सकेगा, जिसे वह आवश्यक समझे।

6. आवेदन पर विचार.—आवेदन जो सभी प्रकार से पूर्ण नहीं है, बोर्ड द्वारा नामंजूर किया जाएगा :

परन्तु यह कि ऐसे किसी आवेदन को नामंजूर करने से पहले आवेदक को बोर्ड द्वारा उपदर्शित आपत्तियों को, संसूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिनों के अंदर दूर करने का अवसर दिया जाएगा :

परन्तु यह और कि बोर्ड का समाधान होने पर कि प्रथम परन्तुक में विनिर्दिष्ट अवधि को बढ़ाना आवश्यक है ऐसी अवधि को नब्बे दिनों से अनधिक, ऐसी अतिरिक्त अवधि तक बढ़ा सकेगा।

7. प्रमाणपत्र प्रदान करने की प्रक्रिया.—(1) यदि बोर्ड का समाधान हो जाता है कि आवेदक प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए पात्र है, यह आवेदक को सूचना भेजेगा।

(2) सूचना प्राप्त होने पर, आवेदक बोर्ड के दूसरी अनुसूची के भाग क में विनिर्दिष्ट फीस इसके भाग ख में विनिर्दिष्ट रीति में संदत्त करेगा।

(3) बोर्ड, रजिस्ट्रीकरण फीस प्राप्त होने पर प्ररूप ख में एक प्रमाणपत्र प्रदान करेगा।

8. प्रमाण पत्र की शर्त :—विनियम 7 के अधीन प्रदत्त प्रमाणपत्र अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन होगा, अर्थात् :—

(क) जोखिम पूंजी निधि अधिनियम के उपबंधों, भारत सरकार के मार्गदर्शी निर्देश और इन विनियमों का पालन करेगा;

(ख) जोखिम पूंजी निधि एक जोखिम पूंजी निधि से भिन्न अन्य कोई क्रियाकलाप नहीं करेगा;

(ग) यदि बोर्ड को पहले प्रस्तुत कोई जानकारी या विशिष्टियां किसी तात्त्विक विशिष्टि में मिथ्या या भ्रामक पायी जाती है या यदि ऐसी जानकारी में कोई परिवर्तन होता है, तो जोखिम पूंजी निधि बोर्ड को तत्काल लिखित रूप में सूचना देगा।

9. प्रक्रिया जहाँ प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाता है.—(1) विनियम 3 के अधीन किए गए आवेदन पर विचार करने के बाद, यदि बोर्ड की यह राय है कि प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाना चाहिए, यह आवेदक को सुने जाने का युक्तियुक्त अवसर देने के बाद आवेदन नामंजूर कर सकेगा।

(2) बोर्ड का आवेदन नामंजूर करने का विनिश्चय, तीस दिनों के अंदर आवेदक को संसूचित किया जाएगा।

10. प्रमाणपत्र प्रदान करने से इन्कार का प्रभाव.—(1) कोई आवेदक जिसका आवेदन विनियम 9 के अधीन नामंजूर किया गया है, जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप नहीं करेगा।

(2) विनियम 3 के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट कोई कम्पनी या न्यास, जिसका विनियम 9 के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर किया गया है, विनियम 9 के उप-विनियम (2) के अधीन संसूचना की प्राप्ति की तारीख से ही जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई भी क्रियाकलाप करना समाप्त कर देगा।

(3) बोर्ड, विनिधानकर्ताओं के हित में अभिलेखों, प्रलेखों या प्रतिभूतियों के अंतरण या जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित विनिधानों के व्ययन के संबंध में निदेश जारी कर सकेगा।

(4) विनिधानकर्ताओं के हित के संरक्षण के लिए बोर्ड अभिलेखों, प्रलेखों, प्रतिभूतियों से संबंधित कार्यभार संभालने के लिए किसी व्यक्ति की नियुक्ति कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए ऐसी नियुक्ति के निबंधन और शर्तें भी अवधारित कर सकेगा।

### अध्याय III

#### विनिधान शर्तें और प्रतिबंध

11. जोखिम पूंजी निधि में न्यूनतम विनिधान :—(1) जोखिम पूंजी निधि किसी भी विनिधानकर्ता से धन जुटा सकता है चाहे भारतीय, विदेशी या अनिवासी भारतीय हो।

(2) कम्पनी के रूप में गठित कोई जोखिम पूंजी निधि या न्यास के रूप में गठित जोखिम पूंजी निधि की कोई स्कीम किसी विनिधानकर्ता से कोई विनिधान स्वीकार नहीं करेगी, जो दस लाख रुपये से कम हो :

परन्तु यह कि उप-विनियम (2) में अंतर्षिष्ट कुछ भी विनिधानकर्ताओं पर लागू नहीं होगा, जो—

- (क) जोखिम पूंजी निधि के कर्मचारी या प्रधान अधिकारी या निदेशक या न्यासी कम्पनी या न्यासियों जहाँ जोखिम पूंजी निधि न्यास के रूप में स्थापित की गई है, के निदेशक हैं; या
- (ख) अनिवासी भारतीय हैं; या
- (ग) विदेशी मूल के व्यक्ति या संस्थाएं हैं।

12. जोखिम पूंजी निधि द्वारा विनिधान पर प्रतिबंध.—जोखिम पूंजी निधि द्वारा किए गए या किए जाने वाले सभी विनिधान निम्नलिखित प्रतिबंधों के अध्वधीन होंगे :

- (क) जोखिम पूंजी निधि वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाली किसी कंपनी या संस्था के इक्विटी शेयरों में विनिधान नहीं करेगी;
- (ख) जोखिम पूंजी निधि द्वारा जुटायी गई निधियों के कम से कम 80% का निम्नलिखित में विनिधान किया जाएगा :—
- (i) कंपनी, जिसकी प्रतिभूतियां किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं, द्वारा पुरोधृत किए गए इक्विटी शेयर या इक्विटी संबद्ध प्रतिभूतियां :

परंतु यह कि जोखिम पूंजी निधि, कंपनी जिसके शेयर सूचीबद्ध होने हैं या सूचीबद्ध हैं के इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध प्रतिभूतियों में विनिधान कर सकेगा, जहाँ जोखिम पूंजी निधि ने प्रतिभूतियों के सूचीकरण से पूर्विक निजी नियोजन की भाषत ये विनिधान किए हों।

- (ii) वित्तीय रूप से दुर्बल कंपनी या रुग्ण औद्योगिक कंपनी के, जिसकी प्रतिभूतियां किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं या नहीं हो सकती हैं, के इक्विटी शेयर या इक्विटी संबद्ध प्रतिभूतियां।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए "वित्तीय रूप से दुर्बल कंपनी" से वह कंपनी जिसने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के अंत पर हानियां संचित की हैं, जिसने पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के आरंभ पर इसकी शुद्ध मालियत का 50% से अधिक परन्तु 100% से कम ह्रास परिणामित किया है, अभिप्रेत है।

- (iii) अन्य रीति से कंपनियों को जिनकी इक्विटी शेयरों में जोखिम पूंजी निधि ने यथास्थिति उप-खंड (i) या उप-खंड (ii) के अधीन विनिधान किया है, वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजनों के लिए "जुटायी गयी निधि" से जोखिम पूंजी निधि की प्रतिभूतियों में अभिदाय करने वाले विनिधानकर्ताओं से जुटाया गया वास्तविक धन अभिप्रेत है और यदि जोखिम पूंजी निधि न्यास के रूप में स्थापित की गई है तो न्यासकर्ता से जुटाया गया धन अंतर्वर्तित है परंतु न्यासी कंपनी की समादत्त पूंजी, यदि कोई है, अंतर्गत नहीं होगी।

13. सूचीकरण पर प्रतिबंध.—कोई जोखिम पूंजी निधि, जोखिम पूंजी निधि द्वारा यथास्थिति प्रतिभूति या यूनिट जारी करने की तारीख से तीन वर्ष समाप्त होने तक यथास्थिति इसकी प्रतिभूतियां या यूनिटें, किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करवाने की हकदार नहीं होगी।

#### अध्याय IV

##### सामान्य बाध्यताएं और उत्तरदायित्व

14. जनता से अभिदान आमंत्रित करने पर प्रतिबंध.—कोई जोखिम पूंजी निधि इसकी प्रतिभूतियों या यूनिटों के अभिदान या क्रय के लिए जनता से प्रस्ताव आमंत्रित करने वाला कोई प्रलेख या विज्ञापन जारी नहीं करेगी।

15. निजी नियोजन.—एक जोखिम पूंजी निधि इसकी प्रतिभूतियों या यूनिटों के निजी नियोजन की भाषत जोखिम पूंजी निधि में विनिधान के लिए धन प्राप्त कर सकेगी।

16. नियोजन ज्ञापन.—(1) न्यास के रूप में स्थापित जोखिम पूंजी निधि, कोई यूनिट जारी करने से पहले बोर्ड के पास एक नियोजन ज्ञापन दाखिल करेगी, जो निबंधनों का ब्यौरा देगी, जिसके अध्वधीन विनिधानकर्ताओं से धन जुटाना प्रस्तावित किया गया है।

(2) कंपनी के रूप में स्थापित जोखिम पूंजी निधि, इसकी प्रतिभूतियों के लिए कोई अभिदान आमंत्रित करने से पहले, बोर्ड के पास एक नियोजन ज्ञापन दाखिल करेगी, जो निबंधनों का ब्यौरा देगी, जिसके अध्वधीन विनिधानकर्ताओं से धन जुटाने का प्रस्ताव किया गया है।

17. नियोजन ज्ञापन की अंतर्वस्तु.—(1) विनियम 16 के उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट नियोजन ज्ञापन में निम्नलिखित अंतर्वर्ष होगा, अर्थात् :—

- (क) जोखिम पूंजी निधि के न्यासियों या न्यासी कंपनी का ब्यौरा ;
- (ख) न्यास के यूनिटों, जिनके लिए अभिदान मंगाया जा रहा है, की हकदारी के ब्यौरे;
- (ग) विनिधानों के ब्यौरे, जो किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं;
- (घ) कर विवक्षाएं, जिनकी विनिधानकर्ताओं को लागू होने की संभावना है; .

- (ड) न्यास के यूनिटों को अभिदान की रीति;
  - (च) स्कीम की परिपक्वता अवधि, यदि कोई हो;
  - (छ) रीति, यदि कोई हो, जिसमें स्कीम का परिसमापन किया जाना है;
  - (ज) रीति, जिसमें न्यास की यूनिटों में विनिधानकर्ताओं को प्रोद्भूत होने वाले लाभ संवितरित किए जाने हैं;
  - (झ) आस्ति प्रबंध कम्पनी, यदि कोई हो, का और ऐसी कम्पनी को संदत्त की जाने वाली फीस के ब्यौरे।
- (2) विनियम 16 के उप-विनियम (2) में निर्दिष्ट नियोजन ज्ञापन में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा, अर्थात् :—
- (क) प्रतिभूतियाँ, जिनकी प्रस्थापना की जा रही है, के ब्यौरे;
  - (ख) विनिधानों, जो किए जाने के लिए प्रस्तावित हैं, के ब्यौरे;
  - (ग) कम्पनी के निवेशकों के ब्यौरे;
  - (घ) कर विवक्षाएं, जिनकी विनिधानकर्ताओं को लागू होने की संभावना है;
  - (ङ) प्रतिभूतियाँ, जो जारी की जानी है, को अभिदान की रीति;
  - (च) रीति, जिसमें प्रतिभूतियों में विनिधानकर्ताओं को प्रोद्भूत होने वाले लाभ संवितरित किए जाने हैं; और
  - (छ) आस्ति प्रबंध कम्पनी, यदि कोई हो, का और ऐसी कम्पनी को संदत्त की जाने वाली फीस के ब्यौरे।

18. **नियोजन ज्ञापन का परिचालन.**—विनियम 16 में निर्दिष्ट नियोजन ज्ञापन, बोर्ड को इसके प्रस्तुतीकरण के इक्कीस दिन समाप्त होने के बाद ही निजी परिचालन के लिए जारी किया जा सकेगा :

परन्तु यह कि यदि नियोजन ज्ञापन प्रस्तुत करने के इक्कीस दिनों के भीतर, बोर्ड नियोजन ज्ञापन में किन्हीं संशोधनों की संसूचना देता है तो जोखिम पूंजी निधि विनिधानकर्ताओं को ऐसा ज्ञापन परिचालित करने से पहले नियोजन ज्ञापन में ऐसे संशोधन करेगी।

19. **नियोजन ज्ञापन में परिवर्तनों को बोर्ड को सूचित किया जाना.**—बोर्ड के पास पहले ही दाखिल किए जा चुके किसी नियोजन ज्ञापन में संशोधन या परिवर्तन तभी किए जा सकते हैं यदि,—

- (क) परिवर्तन उपदर्शित करने वाले नियोजन ज्ञापन की एक प्रति बोर्ड के पास दाखिल की जाती है; और
- (ख) ऐसे दाखिल के इक्कीस दिनों के अंदर, बोर्ड ने कथित संशोधनों या परिवर्तनों पर कोई आपत्तियाँ या प्रेक्षण संसूचित नहीं किये हों।

20. **बहियों और अभिलेखों का अनुरक्षण.**—(1) प्रत्येक जोखिम पूंजी निधि दस वर्षों की अवधि के लिए लेखा बहियों अभिलेखों और प्रलेखों का, जो जोखिम पूंजी निधि के कार्यकलाप की स्थिति की सही और ऋजु तस्वीर देंगे, अनुरक्षण करेगी।

(2) प्रत्येक जोखिम पूंजी निधि बोर्ड को, लिखित रूप में, स्थान की, जहां उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट बहियों, अभिलेखों और प्रलेखों का अनुरक्षण किया जाता है, सूचना देगी।

21. **जानकारी मंगाने की शक्ति.**—(1) बोर्ड किसी भी समय जोखिम पूंजी निधि से जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित किसी मामले की बाबत कोई जानकारी मंगा सकेगा।

- (2) जहां उप-विनियम (1) के अधीन जानकारी मंगायी जाती है, यह पंद्रह दिनों के अंदर बोर्ड को दी जाएगी।

22. **बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना.**—बोर्ड किसी भी समय जोखिम पूंजी निधि से ऐसी रिपोर्ट दाखिल करने के लिए अपेक्षा कर सकेगा, जैसी बोर्ड जोखिम पूंजी निधि द्वारा किए जाने वाले क्रियाकलापों की बाबत चाँछा करेगा।

23. **परिसमापन.**—(1) न्यास के रूप में गठित जोखिम पूंजी निधि की एक योजना परिसमाप्त की जाएगी,

- (क) जब नियोजन ज्ञापन में उल्लिखित स्कीम की अवधि, यदि कोई हो, समाप्त हो जाती है;
- (ख) यदि, यथास्थिति न्यासियों या न्यासी कम्पनी की यह राय हो कि यूनिटों में विनिधानकर्ताओं के हितों में योजना परिसमाप्त की जानी चाहिए;
- (ग) यदि स्कीम में विनिधानकर्ताओं का पचहत्तर प्रतिशत यूनिट धारकों की बैठक में संकल्प पारित करता है कि स्कीम परिसमाप्त की जाए; या
- (घ) यदि बोर्ड विनिधानकर्ताओं के हित में ऐसा निर्देश देता है।

(2) कम्पनी के रूप में गठित जोखिम पूंजी निधि कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अनुसार परिसमाप्त की जाएगी।

(3) न्यासी या न्यास के रूप में गठित जोखिम पूंजी निधि की न्यासी कम्पनी बोर्ड और विनिधानकर्ताओं को उप-विनियम (1) के अधीन स्कीम को परिसमाप्त की ओर ले जाने वाली परिस्थितियाँ सूचित करेगी।

24. **परिसमापन का प्रभाव.**—(1) विनियम 23 के उप-विनियम (3) के अधीन सूचना की तारीख से ही, इस प्रकार परिसमापन स्कीम की ओर से और कोई विनिधान नहीं किए जाएंगे।

(2) विनियम 23 के उप-विनियम (3) के अधीन सूचना की तारीख से तीन महीनों के भीतर, स्कीम की आस्तियों का परिसमापन किया जाएगा और सभी दायित्व पूरे हो जाने के बाद स्कीम में विनिधानकर्ताओं को प्रोदभूत होने वाले आगम उनको संवितरित किए जाएंगे।

### अध्याय 5

#### निरीक्षण और अन्वेषण

25. **बोर्ड का निरीक्षण या अन्वेषण करने का अधिकार.**—(1) बोर्ड निम्नलिखित कारणों में से किसी के लिए जोखिम पूंजी निधि से संबंधित लेखा-बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण या अन्वेषण करने के लिए एक या अधिक व्यक्तियों को निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी के रूप में नियुक्त कर सकेगा, अर्थात् :—

- (क) यह सुनिश्चित करना कि लेखा-बहियाँ, अभिलेख और दस्तावेज जोखिम पूंजी निधि द्वारा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से बनाए रखे जा रहे हैं;
- (ख) जोखिम पूंजी निधि के क्रियाकलापों से संबंधित किसी विषय पर विनिधानकर्ताओं, ग्राहकों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का निरीक्षण या अन्वेषण करना;
- (ग) यह अभिनिश्चित करना कि क्या अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों का जोखिम पूंजी निधि द्वारा अनुपालन किया जा रहा है; और
- (घ) जोखिम पूंजी निधि के कामकाज का प्रतिभूति बाजार के हित में या विनिधानकर्ताओं के हित में स्वप्रेरणा से निरीक्षण या अन्वेषण करना।

26. **निरीक्षण या अन्वेषण के पूर्व सूचना.**—(1) विनियम 25 के अधीन निरीक्षण या अन्वेषण का आदेश देने के पूर्व बोर्ड जोखिम पूंजी निधि को कम से कम 10 दिनों की सूचना देगा।

(2) उप-विनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी जहां बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं के हित में ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए वहां पर लिखित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि जोखिम पूंजी निधि के कामकाज का निरीक्षण या अन्वेषण ऐसी सूचना के बिना किया जाए।

(3) निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान जोखिम पूंजी निधि जिसके विरुद्ध निरीक्षण या अन्वेषण किया जा रहा है विनियम 27 में यथा उपबंधित बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगा।

27. **बोर्ड द्वारा निरीक्षण या अन्वेषण पर जोखिम पूंजी निधि की बाध्यताएं.**—(1) जोखिम पूंजी निधि जिसके कामकाज का निरीक्षण या अन्वेषण किया जा रहा है, और इसके प्रत्येक निदेशक, अधिकारी और कर्मचारी, इसकी आस्था प्रबंध कंपनी, यदि कोई हो, और इसके न्यायियों या निदेशकों या न्यासी कंपनी के निदेशकों, यदि कोई हो, का यह कर्तव्य होगा कि वे अपनी अभिरक्षा या नियंत्रण में ऐसी बहियाँ, प्रतिभूतियाँ, लेखों, अभिलेखों और अन्य दस्तावेज निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी के समक्ष पेश करें और जोखिम पूंजी निधि से संबंधित ऐसे विवरण और जानकारी जिसकी निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी अपेक्षा करे, ऐसी उचित अवधि के भीतर उसको प्रस्तुत करें जैसा कि निरीक्षण अधिकारी विनिर्दिष्ट करे।

(2) जोखिम पूंजी निधि ऐसी जोखिम पूंजी निधि या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के अधिभोग में परिसरों तक निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी को युक्तियुक्त पहुंच रखने की अनुज्ञा देगा और जोखिम पूंजी निधि या ऐसे अन्य व्यक्ति के कब्जे में किन्हीं बहियों, अभिलेखों, दस्तावेजों और कम्प्यूटर डाटा का निरीक्षण करने के लिए युक्तियुक्त सुविधा भी देगा और दस्तावेजों या अन्य सामग्रों की प्रतियां भी देगा जो निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी की राय में, यथास्थिति, निरीक्षण या अन्वेषण के प्रयोजनों के लिए सुसंगत हैं।

(3) निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी, निरीक्षण या अन्वेषण के दौरान जोखिम पूंजी निधि के किसी निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी की परीक्षा करने या उसके कथन अभिलिखित करने का हकदार होगा।

(4) जोखिम पूंजी निधि के प्रत्येक निदेशक, अधिकारी या कर्मचारी, न्यासी या न्यासी कंपनी के निदेशक का यह कर्तव्य होगा कि वह निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी को निरीक्षण या अन्वेषण के संबंध में वह सभी सहायता दे, जिसकी निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा करे।

28. **बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना.**— निरीक्षण या अन्वेषण अधिकारी बोर्ड को निरीक्षण या अन्वेषण पूर्ण होने पर यथासंभव शीघ्र निरीक्षण या अन्वेषण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

परंतु यह कि यदि ऐसा करने का बोर्ड द्वारा निदेश दिया गया हो तो वह अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा।

29. **जोखिम पूंजी निधि को निष्कर्षों आदि की संसूचना.**—(1) बोर्ड विनियम 28 में निर्दिष्ट निरीक्षण या अन्वेषण रिपोर्ट या अंतरिम रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् जोखिम पूंजी निधि को निरीक्षण अधिकारी के निष्कर्षों की संसूचना देगा और उसे सुने जाने का अवसर देगा।

(2) जोखिम पूंजी निधि से उत्तर की प्राप्ति पर, यदि कोई हो, बोर्ड जोखिम पूंजी निधि से ऐसे उपाय करने की अपेक्षा कर सकेगा जो बोर्ड प्रतिभूति बाजार के हित में और अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों के सम्यक् पालन के लिए उचित समझे।

## अध्याय 6

## व्यतिक्रम की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

30. **प्रमाणपत्र का निलंबन.**— बोर्ड जोखिम पूंजी निधि को दिए गए प्रमाणपत्र को निलंबित कर सकेगा जहां जोखिम पूंजी निधि :—

- (क) अधिनियम या इन विनियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करती हो;
- (ख) जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलाप से संबंधित कोई जानकारी, जिसकी बोर्ड द्वारा अपेक्षा की जाए, देने में असफल रहती है;
- (ग) बोर्ड को ऐसी जानकारी देती है जो किसी तात्त्विक विशिष्ट में मिथ्या या भ्रामक है;
- (घ) बोर्ड द्वारा यथा अपेक्षित कालिक विवरणियों या रिपोर्टों को प्रस्तुत नहीं करती है;
- (ङ) बोर्ड द्वारा संचालित किसी जांच, निरीक्षण या अन्वेषण में सहयोग नहीं करती है;
- (च) विनिधानकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने या बोर्ड को इस निमित्त समाधानप्रद उत्तर देने में असफल रहती है।

31. **प्रमाणपत्र का रद्दकरण.**— बोर्ड जोखिम पूंजी निधि को दिए गए प्रमाणपत्र को रद्द कर सकेगा :—

- (क) जब, जोखिम पूंजी निधि कपट की दोषी हो या किसी ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहरायी गयी हो, जिसमें नैतिक अधमता अंतर्बलित हो;

- (ख) जोखिम पूंजी निधि विनियम 30 में विनिर्दिष्ट स्वरूप के व्यतिक्रमों की पुनरावृत्ति की दोषी हो रही है; या

स्पष्टीकरण : इस विनियम में "कपट" का वही अर्थ है जो भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 (1872 का 9) की धारा 17 में इसके लिए नियत है।

- (ग) अधिनियम या इन विनियमों के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन करती है।

32. **रद्दकरण या निलंबन के आदेश देने की रीति.**— बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण का आदेश विनियम 33 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार जांच करने के पश्चात् ही दिया जाएगा अन्यथा नहीं।

33. **निलंबन या रद्दकरण के पूर्व जांच करने की रीति.**—(1) विनियम 32 के अधीन जांच करने के प्रयोजन के लिए बोर्ड एक या अधिक जांच अधिकारी नियुक्त कर सकेगा।

(2) जांच अधिकारी जोखिम पूंजी निधि को इसके रजिस्ट्रीकृत कार्यालय में या इसके कारबार के मुख्य स्थान पर उन आधारों जिन पर इसके विरुद्ध कार्रवाई प्रस्तावित की गयी है को उपवर्णित करते हुए सूचना जारी करेगा और इससे सूचना की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों की अवधि के भीतर ऐसी कार्रवाई के विरुद्ध कारण बताने की अपेक्षा करेगा।

(3) जोखिम पूंजी निधि ऐसी सूचना की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों के भीतर जांच अधिकारी को दस्तावेजी या अन्य साक्ष्य, जिसका इसने आश्रय लिया है या जो बोर्ड द्वारा जोखिम पूंजी निधि से अपेक्षित किया गया है, सहित लिखित उत्तर प्रस्तुत कर सकेगा।

(4) जांच अधिकारी जोखिम पूंजी निधि को उप-विनियम (3) के अधीन दिए गए इसके उत्तर के समर्थन में निवेदन करने के लिए उसे समर्थ करने के लिए सुने जाने का सुकृतियुक्त अवसर देगा।

(5) जोखिम पूंजी निधि जांच अधिकारी के समक्ष जोखिम पूंजी निधि द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति की मार्फत हाजिर हो सकेगी; परंतु यह कि किसी भी वकील या अधिवक्ता को जांच में जोखिम पूंजी निधि का प्रतिनिधित्व करने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी;

परंतु यह और कि जहां बोर्ड द्वारा कोई वकील या अधिवक्ता उप-विनियम (6) के अधीन उपस्थिति अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है वहां किसी वकील या अधिवक्ता की मार्फत अपना मामला उपस्थित करना जोखिम पूंजी निधि के लिए विधिपूर्ण होगा।

(6) जांच अधिकारी, यदि वह इसे आवश्यक समझता है, बोर्ड मामला उपस्थित करने के लिए उसका उपस्थिति अधिकारी नियुक्त करने के लिए कह सकेगा।

(7) जांच अधिकारी सभी सुसंगत तथ्यों और जोखिम पूंजी निधि द्वारा किए गए निवेदनों पर विचार करने के पश्चात् बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और जोखिम पूंजी निधि के विरुद्ध की जाने वाली शास्तिक कार्रवाई की, यदि कोई हो, और उन आधारों की भी जिन पर प्रस्तावित कार्रवाई न्यायानुमत है सिफारिश करेगा।

34. **कारण बताओ सूचना और आदेश** (1) जांच अधिकारी से रिपोर्ट की प्राप्ति पर बोर्ड उस पर विचार करेगा और जोखिम पूंजी निधि को कारण बताओ सूचना जारी कर सकेगा कि जांच अधिकारी द्वारा यथा प्रस्तावित शास्तिक कार्रवाई इसके विरुद्ध क्यों न की जाए।

(2) जोखिम पूंजी निधि कारण बताओ सूचना की प्राप्ति की तारीख से चौदह दिनों के भीतर बोर्ड को उत्तर भेजेगी।

(3) बोर्ड जोखिम पूंजी निधि के उत्तर पर, विचार करने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र ऐसा आदेश पारित करेगा जो वह ठीक समझे।

35. **प्रमाणपत्र के निलंबन और रद्दकरण का प्रभाव.**—(1) प्रमाणपत्र के निलंबन की तारीख से ही जोखिम पूंजी निधि निलंबन की अवधि के दौरान जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप करना बंद कर देगी, और जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित किन्हीं अभिलेखों, दस्तावेजों या प्रतिभूतियों, जो इसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में हों, के संबंध में बोर्ड के ऐसे निदेशों के अध्वधीन होगी जो बोर्ड विनिर्दिष्ट करे।

(2) प्रमाणपत्र के रद्दकरण की तारीख से ही जोखिम पूंजी निधि, जोखिम पूंजी निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप करना तत्काल बंद कर देगी और जोखिम पूंजी निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित अभिलेखों, दस्तावेजों या प्रतिभूतियों, जो इसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में हों, के अंतरण के संबंध में बोर्ड के ऐसे निदेशों के अध्वधीन होगी जो बोर्ड विनिर्दिष्ट करे।

36. **निलंबन के आदेश का प्रकाशन.**— विनियम 35 के अधीन पारित प्रमाणपत्र के निलंबन या रद्दकरण का आदेश बोर्ड द्वारा दो समाचारपत्रों में प्रकाशित किया जा सकेगा।

[फा.सं. भाप्रविबो/एल ई/24/96]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष,  
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

#### पहली अनुसूची - प्ररूप

##### प्ररूप क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
( जोखिम पूंजी निधि ) विनियम, 1996  
( विनियम 3 देखें )

जोखिम पूंजी निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
मिन्तल कोर्ट, "बी" स्कंध, पहली मंजिल  
नरिमन पॉइंट, मुम्बई-400 021.  
भारत

#### अनुदेश

- i. यह प्ररूप जोखिम पूंजी निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन हेतु कंपनी या न्यास ( इसमें इसके पश्चात् आवेदक के रूप में निर्दिष्ट ) द्वारा उपयोग करने के लिए है।
- ii. आवेदक को यह प्ररूप पूरा भरना चाहिए और इसे बोर्ड को इसके मुम्बई स्थित प्रधान कार्यालय में सभी समर्थक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करना चाहिए।
- iii. आवेदन प्ररूप इन विनियमों के अनुसार भरा जाना चाहिए।
- iv. बोर्ड द्वारा आवेदन पर विचार किया जाएगा परंतु यह तब कि यह सभी प्रकार से पूर्ण हो।
- v. सभी उत्तर सुपाद्य होने चाहिए।
- vi. जानकारी, जिस के अधिक ब्यौरे देना आवश्यक है, पृथक् पन्नों पर दी जा सकेगी, जो आवेदन प्ररूप के साथ संलग्न किए जाने चाहिए।
- vii. आवेदन हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए और सभी हस्ताक्षर मौलिक ही होने चाहिए।
- viii. आवेदन के कारण इन विनियमों की दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट आवेदन फीस अवश्य होनी चाहिए।
  1. आवेदक का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, पत्राचार के लिए पता, दूरभाष संख्या (संख्याएं), फैक्स संख्या (संख्याएं), टेलीक्स संख्या (संख्याएं) और संपर्क व्यक्ति का नाम।
  2. कृपया उपदर्शित करें कि आवेदक निम्नलिखित प्रवर्गों में से किसका अंग है।
    - (i) कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन स्थापित कंपनी
    - (ii) भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) के अधीन स्थापित न्यास
  3. निगमन या स्थापन की तारीख और स्थान और कारबार के प्रारम्भ करने की तारीख (निगमन का प्रमाणपत्र, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद या न्यास विलेख जिसके निबंधनों के अनुसार निगमित या स्थापित है, संलग्न करें)।



4. (क) यदि आवेदक का एक न्यास के रूप में गठन किया गया है तो यथास्थिति न्यासी बोर्ड के सदस्यों या न्यासी कंपनी के निदेशकों के ब्यौरे।  
(ख) यदि आवेदक का एक कंपनी के रूप में गठन किया गया है तो जोखिम पूंजी निधि के निदेशक मंडल के सदस्यों के ब्यौरे।
5. कृपया कथन करें कि क्या आवेदक, उसका भागीदार, निदेशक या प्रधान अधिकारी प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे में अंतर्फलित है जिसका आवेदक के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव है; या किसी समय किसी नैतिक अधमता के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है या किसी समय किसी आर्थिक अपराध का दोषी पाया गया है। यदि आवेदक एक न्यास है तो न्यासी बोर्ड के सदस्यों या न्यासी कंपनी से संबद्ध ऊपर वर्णित व्यक्तियों के लिए उक्त जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए।  
यदि हां, तो उसके ब्यौरे।
6. कृपया यह भी कथन करें कि क्या प्रतिभूति विधियों, सदाचार/आचार संहिता, कारबार नियम संहिता के अतिक्रमण या अननुषंगिकता का कोई दृष्टांत हुआ है जिसके लिए आवेदक या इसकी मूल या धारित कंपनी या सहबद्ध आर्थिक, या अपराधिक, दायित्व के अध्यधीन रहा हो, या इसके प्रचालनों के कार्यान्वयन से निलंबित किया गया हो या इसका रजिस्ट्रीकरण अस्थायी रूप से प्रतिसंवृत किया गया हो।
7. आस्ति प्रबंध कंपनी, यदि कोई हो, के ब्यौरे (आस्ति प्रबंध कंपनी के साथ किए गए करार की प्रति संलग्न करें)।
8. घोषणा कथन (विम्नानुसार दिया जाने वाला)।

हम एतद्वारा सहमत हैं और घोषणा करते हैं कि आवेदन में दी गयी जानकारी, जिसमें संलग्नक पन्ने भी शामिल हैं, पूर्ण और सत्य हैं।

और हम और सहमत हैं कि हम आवेदन में उपलब्ध जानकारी में किसी परिवर्तन की सूचना भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को तत्काल देंगे।

हम और सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूंजी निधि) विनियम, 1996 और ऐसे अन्य मार्गदर्शी सिद्धांतों/अनुदेशों जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किए जाएंगे का अनुपालन करेंगे और उनके द्वारा आबद्ध रहेंगे।

हम और सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में हम ऐसे प्रचालनगत अनुदेशों/निदेशों का पालन करेंगे जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किए जाएंगे।

के लिए और की ओर से .....

(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता .....

(नाम) (हस्ताक्षर)

दिनांक :

स्थान :

## प्ररूप ख

## विनियम 7(3) देखें

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( जोखिम पूंजी निधियां ) विनियम, 1996

जोखिम पूंजी निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

- I. बोर्ड भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ( 1992 का 15 ) के अधीन बनाए गए विनियमों के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

को अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए विनियमों में विनिर्दिष्ट शर्तों के अध्वधीन जोखिम पूंजी निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र एतद्द्वारा प्रदान करता है।

- II. जोखिम पूंजी निधि की रजिस्ट्रीकरण संख्या आइ एन/बी सी/ / है।

दिनांक :

स्थान : मुम्बई

आदेश द्वारा

ह./-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड  
के लिए और की ओर से

## दूसरी अनुसूची

[ विनियम 3(3) और 7 देखें ]

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( जोखिम पूंजी निधि ) विनियम, 1996

## फीस

## भाग क

फीस के रूप में संदत्त की जाने वाली राशि

आवेदन फीस (रु.)	25,000
प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए रजिस्ट्रीकरण फीस (रु.)	5,00,000

## भाग ख

- I. उपर्युक्त विनिर्दिष्ट फीस का संदाय "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड", मुम्बई के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा।

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

## NOTIFICATION

Mumbai, December 4, 1996

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(VENTURE CAPITAL FUNDS) REGULATIONS, 1996

**S.O. 850(E).**—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Securities and Exchange Board of India hereby, makes the following regulations.

CHAPTER 1  
PRELIMINARY

**1. Short title and commencement.**—(1) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Definitions.**— In these regulations, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "certificate" means a certificate of registration granted by the Board under regulation 7.
- (c) "company" means a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (d) "economic offence" means an offence to which the Economic Offences (Limitation of Prosecutions) Act, 1974 (12 of 1974) applies for the time being;
- (e) "enquiry officer" means an enquiry officer appointed by the Board under regulations 33;
- (f) "Form" means any of the forms set out in the First Schedule;
- (g) "Government of India Guidelines" means the guidelines dated September 20, 1995 issued by the Government of India for Overseas Venture Capital Investments in India as amended from time to time ;
- (h) "inspecting officer" means an inspecting officer appointed by the Board under regulations 25;
- (i) "Schedule" means a schedule annexed to these regulations ;
- (j) "sick industrial company" has the same meaning as is assigned to it in clause (o) of sub-section (1) of section (3) of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986) ;
- (k) "trust" means a trust established under the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882) ;
- (l) "units" means the interest of the investors in a scheme of a venture capital fund set up as a trust, which consist of each unit representing one undivided share in the assets of the scheme ;
- (m) "venture capital fund" means a fund established in the form of a company or trust which raises monies through loans, donations, issue of securities or units as the case may be, and makes or proposes to make investments in accordance with these regulations.

CHAPTER II  
REGISTRATION OF VENTURE CAPITAL FUNDS

**3. Application for grant of certificate (1).**—Any company or trust proposing to carry on any activity as a venture capital fund on or after the commencement of these regulations shall make an application to the Board for grant of a certificate.

(2) Any company or trust, who on the date of commencement of these regulations is carrying any activity as a venture capital fund without a certificate shall make an application to the Board for grant of a certificate within a period of three months from the date of such commencement:

Provided that the Board, in special cases, may extend the said period upto a maximum of six months from the date of such commencement.

(3) An application for grant of certificate under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) shall be made to the Board in Form A and shall be accompanied by a non-refundable application fee as specified in Part A of the Second Schedule to be paid in the manner specified in Part B thereof.

(4) Any company or trust referred to in sub-regulation (2) who fails to make an application for grant of a certificate within the period specified therein shall cease to carry on any activity as a venture capital fund.

(5) The Board may in the interest of the investors issue directions with regard to the transfer of records, documents or securities or disposal of investments relating to its activities as a venture capital fund.

(6) The Board may in order to protect the interests of investors appoints any person to take charge of records, documents, securities and for this purpose also determine the terms and conditions of such an appointment.

**4. Eligibility criteria.**—For the purpose of the grant of a certificate by the Board the applicant shall have to fulfil in particular the following conditions, namely:—

(a) If the application is made by a company :—

- (i) memorandum of association as has its main objective, the carrying on of the activity of a venture capital fund ;
- (ii) it is prohibited by its memorandum and articles of association from making an invitation to the public to subscribe to its securities ;
- (iii) its director or principal officer or employee is not involved in any litigation connected with the securities market which may have an adverse bearing on the business of the applicant;
- (iv) its director, principal officer or employee has not at any time been convicted of any offence involving moral turpitude or any economic offence.

(b) if the application is made by a trust,—

- (i) the instrument of trust is in the form of a deed and has been duly registered under the provisions of the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) ;
- (ii) the main object of the trust is to carry on the activity of a venture capital fund ;
- (iii) the directors of its trustee company, if any or any trustee is not involved in any litigation connected with the securities market which may have an adverse bearing on the business of the applicant ;
- (iv) the directors of its trustee company, if any, or a trustee has not at any time, been convicted of any offence involving moral turpitude or of any economic offence;

(c) the company or trust has not been refused a certificate by the Board or its certificate has been suspended under regulation 30 or cancelled under regulation 31.

**5. Furnishing of information, clarification.**—The Board may require the applicant to furnish such further information as it may consider necessary.

**6. Consideration of application.**—An application which is not complete in all respects shall be rejected by the Board.

Provided that, before rejecting any such application, the applicant shall be given an opportunity to remove, within thirty days of the date of receipt of communication, the objections indicated by the Board.

Provided further that the Board may, on being satisfied that it is necessary to extend the period specified in the first proviso, extend such period by such further time not exceeding ninety days.

**7 Procedure for grant of certificate.**—(1) If the Board is satisfied that the applicant is eligible for the grant of certificate, it shall send an intimation to the applicant.

(2) On receipt of intimation, the applicant shall pay to the Board, the registration fee specified in Part A of the Second Schedule in the manner specified in Part B thereof.

(3) The Board shall on receipt of the registration fee grant a certificate of registration in Form B.

**8. Conditions of certificate.**—The certificate granted under regulation 7 shall be inter-alia, subject to the following conditions, namely :—

- (a) the venture capital fund shall abide by the provisions of the Act, the Government of India Guidelines and these regulations;
- (b) the venture capital fund shall not carry on any other activity other than that of a venture capital fund;
- (c) the venture capital fund shall forthwith inform the Board in writing if any information or particulars previously submitted to the Board are found to be false or misleading in any material particular or if there is any change in the information already submitted.

**9. Procedure where certificate is not granted.**—(1) After considering an application made under regulation 3, if the Board is of the opinion that a certificate should not be granted, it may reject the application after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard.

(2) The decision of the Board to reject the application shall be communicated to the applicant within thirty days.

**10. Effect of refusal to grant certificate.**—(1) Any applicant whose application has been rejected under regulation 9 shall not carry on any activity as a venture capital fund.

(2) Any company or trust referred to in sub-regulation (2) of regulation 3, whose application for grant of certificate has been rejected under regulation 9 by the Board shall, on and from the date of the receipt of the communication under sub-regulation (2) of regulation 9, cease to carry on any activity as a venture capital fund.

(3) The Board may in the interest of the investors issue directions with regard to the transfer of records, documents or securities or disposal of investments relating to its activities as a venture capital fund.

(4) The Board may in order to protect the interests of the investors appoint any person to take charge of records, documents, securities and for this purpose also determine the terms and conditions of such an appointment.

### CHAPTER III

#### INVESTMENT CONDITIONS AND RESTRICTIONS

**11. Minimum investment in a venture capital fund.**—(1) A venture capital fund may raise monies from any investor whether Indian, foreign or non-resident Indian.

(2) No venture capital fund set up as a company or any scheme of a venture capital fund set up as a trust shall accept any investment from any investor which is less than five lakh rupees:

Provided that nothing contained in sub-regulation (2) shall apply to investors who are,—

- (a) employees or the principal officer or directors of the venture capital fund, or directors of the trustee company or trustees where the venture capital fund has been established as a trust; or
- (b) non resident Indians; or
- (c) persons or institutions of foreign origin.

**12. Restrictions on investment by a venture capital fund.**—All investments made or to be made by a venture capital fund shall be subject to the following restrictions:

- (a) the venture capital fund shall not invest in the equity shares of any company or institution providing financial services;
- (b) at least 80 percent of funds raised by a venture capital fund shall be invested in :—
  - (i) the equity shares or equity related securities issued by a company whose securities are not listed on any recognised stock exchange:

Provided that a venture capital fund may invest in equity shares or equity related securities of a company whose securities are to be listed or are listed where the venture capital fund has made these investments through private placements prior to the listing of the securities.

- (ii) the equity shares or equity related securities of a financially weak company or a sick industrial company, whose securities may or may not be listed on any recognised stock-exchange.

**Explanation:** For the purposes of this regulation, a “financially weak company” means a company, which has at the end of the previous financial year accumulated losses, which has resulted in erosion of more than 50% but less than 100% of its networth as at the beginning of the previous financial year.

- (iii) providing financial assistance in any other manner to companies in whose equity shares the venture capital fund has invested under sub-clause (i) or sub-clause (ii), as the case may be.

**Explanation:** For the purposes of this regulation, “funds raised” means the actual monies raised from investors for subscribing to the securities of the venture capital fund and includes monies raised from the author of the trust in case the venture capital fund has been established as a trust but shall not include the paid up capital of the trustee company, if any.

**13. Prohibition on listing.**—No venture capital fund shall be entitled to get its securities or units, as the case may be, listed on any recognised stock exchange till the expiry of three years from the date of the issuance of securities or units, as the case may be, by the venture capital fund.

### CHAPTER IV

#### GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES

**14. Prohibition on inviting subscription from the public.**—No venture capital fund shall issue any document or advertisement inviting offers from the public for the subscription or purchase of any of its securities or units.

**15. Private placement.**—A venture capital fund may receive monies for investment in the venture capital fund through private placement of its securities or units.

**16. Placement memorandum.**—(1) The venture capital fund established as a trust shall, before issuing any units file with the Board a placement memorandum which shall give details of the terms subject to which monies are proposed to be raised from investors.

(2) A venture capital fund established as a company shall, before making an offer inviting any subscription to its securities, file with the Board a placement memorandum which shall give details of the terms subject to which monies are proposed to be raised from the investors.

**17. Contents of placement memorandum.**—(1) The placement memorandum referred to in sub-regulation (1) of regulation 16 shall contain the following, namely :—

- (a) details of the trustees or trustee company of the venture capital fund ;
- (b) details of entitlement on the units of the trust for which subscription is being sought ;
- (c) details of investments that are proposed to be made ;
- (d) tax implications that are likely to apply to investors;
- (e) manner of subscription to the units of the trust;
- (f) the period of maturity, if any, of the scheme;
- (g) the manner, if any, in which the scheme is to be wound up;
- (h) manner in which the benefits accruing to investors in the units of the trust are to be distributed;
- (i) details of the asset management company, if any, and of fees to be paid to such a company.

(2) The placement memorandum referred to in sub-regulation (2) of regulation 16 shall contain the following, namely :—

- (a) details of the securities that are being offered;
- (b) details of investments that are proposed to be made;
- (c) details of directors of the company ;
- (d) tax implications that are likely to apply to investors ;
- (e) manner of subscription to the securities that are to be issued ;
- (f) manner in which the benefits accruing to investors in the securities are to be distributed ; and
- (g) details of the asset management company, if any, and of fees to be paid to such a company.

**18. Circulation of placement memorandum.**—The placement memorandum referred to in regulation 16 may be issued for private circulation only after the expiry of twenty one days of its submission to the Board:

Provided that if, within twenty one days of submission of the placement memorandum, the Board communicates any amendments to the placement memorandum, the venture capital fund shall carry out such amendments in the placement memorandum before such memorandum is circulated to the investors.

**19. Changes in the placement memorandum to be intimated to the Board.**—Amendments or changes to any placement memorandum already filed with the Board can be made only if,—

- (a) a copy of the placement memorandum indicating the changes is filed with the Board; and
- (b) within twenty one days of such filing, the Board has not communicated any objections or observations on the said amendments or changes.

**20. Maintenance of books and records.**—(1) Every venture capital fund shall maintain for a period of ten years books of accounts, records and documents which shall give a true and fair picture of the state of affairs of the venture capital fund.

(2) Every venture capital fund shall intimate the Board, in writing, the place where the books, records and documents referred to in sub-regulation (1) are being maintained.

**21. Power to call for information.**—(1) The Board may at any time call for any information from a venture capital fund with respect to any matter relating to its activity as a venture capital fund.

(2) Where any information is called for under sub-regulation (1) it shall be furnished to the Board within fifteen days.

**22. Submissions of reports to the Board.**—The Board may at any time call upon the venture capital fund to file such reports as the Board may desire with regard to the activities carried on by the venture capital fund.

**23. Winding up.**—(1) A scheme of a venture capital fund set up as a trust shall be wound up,

- (a) when the period of the scheme, if any, mentioned in the placement memorandum is over;
- (b) if it is the opinion of the trustees or the trustee company, as the case may be, that the scheme shall be wound up in the interests of investors in the units;

- (c) if seventy five percent of the investors in the scheme pass a resolution at a meeting of unit holders that the scheme be wound up; or
- (d) if the Board so directs in the interests of investors.

(2) A venture capital fund set up as a company shall be wound up in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

(3) The trustees or trustee company of the venture capital fund set up as a trust shall intimate the Board and investors of the circumstances leading to the winding up of the scheme under sub-regulation (1).

**24. Effect of winding up.**—(1) On and from the date of intimation under sub-regulation (3) of regulation 23, no further investments shall be made on behalf of the scheme so wound up.

(2) Within three months from the date of intimation under sub-regulation (3) of regulation 23, the assets of the scheme shall be liquidated, and the proceeds accruing to investors in the scheme distributed to them after satisfying all liabilities.

## CHAPTER V

### INSPECTION AND INVESTIGATION

**25. Board's right to inspect or investigate** (1) The Board may appoint one or more persons as inspecting or investigating officer to undertake inspection or investigation of the books of accounts, records and documents relating to a venture capital fund for any of the following reasons, namely:—

- (a) to ensure that the books of account, records and documents are being maintained by the venture capital fund in the manner specified in these regulations;
- (b) to inspect or investigate into complaints received from investors, clients or any other person, on any matter having a bearing on the activities of the venture capital fund;
- (c) to ascertain whether the provisions of the Act and these regulations are being complied with by the venture capital fund; and
- (d) to inspect or investigate suo motu into the affairs of a venture capital fund, in the interest of the securities market or in the interest of investors.

**26. Notice before inspection or investigation.**—(1) Before ordering an inspection or investigation under regulation 25, the Board shall give not less than ten days notice to the venture capital fund.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), where the Board is satisfied that in the interest of the investors no such notice should be given, it may by an order in writing direct that the inspection or investigation of the affairs of the venture capital fund be taken up without such notice.

(3) During the course of an inspection or investigation, the venture capital fund against whom the inspection or investigation is being carried out shall be bound to discharge its obligations as provided in regulation 27.

**27. Obligations of venture capital fund on inspection or investigation by the Board.**—(1) It shall be the duty of the venture capital fund whose affairs are being inspected or investigated, and of every director, officer and employee thereof, of its asset management company, if any, and of its trustees or directors or the directors of the trustee company, if any, to produce before the inspecting or investigating officer such books, securities, accounts, records and other documents in its custody or control and furnish him with such statements and information relating to the venture capital fund, as the inspecting or investigating officer may require, within such reasonable period as the inspecting officer may specify.

(2) The venture capital fund shall allow the inspecting or investigating officer to have reasonable access to the premises occupied by such venture capital fund or by any other person on his behalf and also extend reasonable facility for examining any books, records, documents and computer data in the possession of the venture capital fund or such other person and also provide copies of documents or other materials which, in the opinion of the inspecting or investigating officer are relevant for the purposes of the inspection or investigation, as the case may be.

(3) The inspecting or investigating officer, in the course of inspection or investigation shall be entitled to examine or to record the statements of any director, officer or employee of the venture capital fund.

(4) It shall be the duty of every director, officer or employee, trustee or director of the trustee company of the venture capital fund to give to the inspecting or investigating officer all assistance in connection with the inspection or investigation, which the inspecting or investigating officer may reasonably require.

**28. Submission of Report to the Board.**—The inspecting or investigating officer shall, as soon as possible, on completion of the inspection or investigation submit an inspection or investigation report to the Board:

Provided that if directed to do so by the Board, he may submit an interim report.

**29. Communication of findings etc. to the venture capital fund.**—(1) The Board shall, after consideration of the inspection or investigation report or the interim report referred to in regulation 28, communicate the findings of the inspection officer to the venture capital fund and give him an opportunity of being heard.

(2) On receipt of the reply if any, from the venture capital fund, the Board may call upon the venture capital fund to take such measures as the Board may deem fit in the interest of the securities market and for due compliance with the provisions of the Act and these regulations.

## CHAPTER VI PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

**30. Suspension of certificate.**—The Board may suspend the certificate granted to a venture capital fund where the venture capital fund:

- (a) contravenes any of the provisions of the Act or these regulations;
- (b) fails to furnish any information relating to its activity as a venture capital fund as required by the Board;
- (c) furnishes to the Board information which is false or misleading in any material particular;
- (d) does not submit periodic returns or reports as required by the Board;
- (e) does not co-operate in any enquiry, inspection or investigation conducted by the Board;
- (f) fails to resolve the complaints of investors or fails to give a satisfactory reply to the Board in this behalf.

**31. Cancellation of certificate.**—The Board may cancel the certificate granted to a venture capital fund:—

- (a) when the venture capital fund is guilty of fraud or has been convicted of an offence involving moral turpitude;
- (b) the venture capital fund has been guilty of repeated defaults of the nature specified in regulation 30; or

**Explanation :** In this regulation, “fraud” has the same meaning as is assigned to it in section 17 of the Indian Contract Act, 1872. (9 of 1872)

- (c) contravenes any of the provisions of the Act or these regulations.

**32. Manner of making order of cancellation or suspension** No order of suspension or cancellation of certificate shall be made by the Board, except after holding an enquiry in accordance with the procedure specified in regulation 33.

**33. Manner of holding enquiry before suspension or cancellation** (1) For the purpose of holding an enquiry under regulation 32, the Board may appoint one or more enquiry officers.

(2) The enquiry officer shall issue to the venture capital fund, at its registered office or its principal place of business, a notice setting out the grounds on which action is proposed to be taken against it and calling upon it to show cause against such action within a period of fourteen days from the date of receipt of the notice.

(3) The venture capital fund may, within fourteen days from the date of receipt of such notice, furnish to the enquiry officer a written reply, together with copies of documentary or other evidence relied on by it or sought by the Board from the venture capital fund.

(4) The enquiry officer shall give a reasonable opportunity of hearing to the venture capital fund to enable him to make submissions in support of its reply made under sub-regulation (3).

(5) Before the enquiry officer, the venture capital fund may appear through any person duly authorised by the venture capital fund:

Provided that no lawyer or advocate shall be permitted to represent the venture capital fund at the enquiry:

Provided further that where a lawyer or an advocate has been appointed by the Board as a presenting officer under sub-regulation (6), it shall be lawful for the venture capital fund to present its case through a lawyer or advocate.

(6) The enquiry officer may, if he considers it necessary, ask the Board to appoint a presenting officer to present its case.



(7) The enquiry officer shall, after taking into account all relevant facts and submissions made by the venture capital fund, submit a report to the Board and recommend the penal action, if any, to be taken against the venture capital fund as also the grounds on which the proposed action is justified.

**34. Show-cause notice and order.**—(1) On receipt of the report from the enquiry officer, the Board shall consider the same and may issue to the venture capital fund a show-cause notice as to why the penal action as proposed by the enquiry officer should not be taken against it.

(2) The venture capital fund shall, within fourteen days of the date of the receipt of the show-cause notice, send a reply to the Board.

(3) The Board, after considering the reply, if any, of the venture capital fund, shall, as soon as possible pass such order as it deems fit.

**35. Effect of suspension and cancellation of certificate.**—(1) On and from the date of the suspension of the certificate, the venture capital fund shall cease to carry on any activity as a venture capital fund during the period of suspension, and shall be subject to such directions of the Board with regard to any records, documents or securities that may be in its custody or control, relating to its activities as venture capital fund, as the Board may specify.

(2) on and from the date of cancellation of the certificate, the venture capital fund shall, with immediate effect, cease to carry on any activity as a venture capital fund, and shall be subject to such directions of the Board with regard to the transfer of records, documents or securities that may be in its custody or control, relating to its activities as venture capital fund, as the Board may specify.

**36. Publication of order of suspension or cancellation** The order of suspension or cancellation of certificate passed under regulation 35 may be published by the Board in two newspapers.

[F. No. SEBI/LE/24/96]

D.R. MEHTA, Chairman

Securities and Exchange Board of India

#### **FIRST SCHEDULE—FORM**

##### **FORM A**

#### **SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (VENTURE CAPITAL FUNDS) REGULATIONS, 1996**

(see regulation 3)

#### **APPLICATION FOR GRANT OF CERTIFICATE OF REGISTRATION AS VENTURE CAPITAL FUND SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA MITTAL COURT, 'B' WING, 1<sup>st</sup> FLOOR NARIMAN POINT, MUMBAI 400 021 INDIA**

#### **INSTRUCTIONS**

- (i) This form is meant for use by the company or trust (hereinafter referred to as the applicant) for application for grant of certificate of registration as venture capital fund.
- (ii) The applicant should complete this form, and submit it, along with all supporting documents to the Board at its head office at Mumbai.
- (iii) This application form should be filled in accordance with these regulations.
- (iv) The application shall be considered by the Board provided it is complete in all respects.
- (v) All answers must be legible.
- (vi) Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form.

- (vii) The application must be signed and all signatures must be original.
- (viii) The application must be accompanied by an application fee as specified the Second Schedule to these regulations.
1. Name, address of the registered office, address for correspondence, telephone number(s), fax number(s), telex number(s) of the applicant and the name of the contact person.
  2. Please indicate to which of the following categories the applicant belongs.
    - (i) a company established under the Companies Act, 1956 (1 of 1956)
    - (ii) a trust set up under the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882).
  3. Date and place of incorporation or establishment and date of commencement of business (enclose certificate of incorporation, memorandum and articles of association or trust deed in terms of which incorporated or established).
  4. (a) Details of members of the Board of Trustees or directors of the trustee company, as the case may be, in case the applicant has been set up as a trust.  
(b) Details of members of the Board of Directors of the venture capital fund in case the applicant has been set up as a company.
  5. Please state whether the applicant, his partner, director or principal officer is involved in any litigation connected with the securities market which has an adverse bearing on the business of the applicant; or has at any time been convicted for any moral turpitude or at any time has been found guilty of any economic offence. In case the applicant is a trust, the above information should be provided for the members of the Board of Trustees or of the above mentioned persons connected with the Trustee Company.  
If, yes, the details thereof.
  6. Please also state whether there has been any instance of violation or non-adherence to the securities laws, code of ethics/conduct, code of business rules, for which the applicant, or its parent or holding company or affiliate may have been subject to economic, or criminal, liability, or suspended from carrying out its operations, or the registration revoked temporarily.
  7. Details of asset management company, if any. (enclose copy of agreement with the asset management company).
  8. Declaration statement (to be given as below).

We hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

AND we further agree that, we shall notify the Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and the Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Fund) Regulations, 1996 and Government of India guidelines/instructions as may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of.....

(Name of the applicant)

Authorized signatory.....

(Name)

(Signature)

Date:

Place:

\*\*\*\*\*

**FORM B**

see regulation 7(3)

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (VENTURE CAPITAL FUNDS)****REGULATIONS, 1996.****CERTIFICATE OF REGISTRATION AS VENTURE CAPITAL FUND**

- I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, (15 of 1992) read with the regulations made thereunder, the Board hereby grants a certificate of registration to
- \_\_\_\_\_

as a venture capital fund subject to the conditions specified in the Act and in the regulations made thereunder.

- II. The Registration Number of the venture capital fund is IN/VC/

Date:

Place: **MUMBAI**

By order

Sd/-

For and on behalf of

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**

**SECOND SCHEDULE**

[see regulations 3 (3) and 7]

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(VENTURE CAPITAL FUNDS) REGULATIONS, 1996.****FEES****PART A****Amount to be paid as fees**

Application fee (Rs.)	25,000
Registration fee for grant of certificate (Rs.)	5,00,000

**PART B**

- I. The fees specified above shall be payable by bank draft in favour of "The Securities and Exchange Board of India" at Mumbai.

## अधिसूचना

मुम्बई, दिसम्बर 4, 1996

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(प्रतिभूति अभिरक्षक) संशोधन विनियम, 1996

का. आ. 851(अ).— बोर्ड निक्षेपगार अधिनियम, 1996 (1996 का 22) की धारा 25 के साथ पठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है।

1. (i) इन विनियमों को भाप्रविबो (प्रतिभूति अभिरक्षक) संशोधन विनियम, 1996 कहा जा सकेगा।  
(ii) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अभिरक्षक) विनियम, 1996 के विनियम 7 के उप-विनियम (2) के खण्ड (क) के पश्चात् एक नया परंतुक निम्नानुसार जोड़ा जाएगा :—  
"परंतु यह कि ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि बोर्ड द्वारा अधिकतम 5 वर्षों तक बढ़ायी जा सकेगी।"

[फा.सं. भाप्रविबो/विधि/20(1)/96]

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

## NOTIFICATION

MUMBAI December 4, 1996

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA  
(CUSTODIAN OF SECURITIES) AMENDMENT REGULATIONS, 1996

S.O. 851 (E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, (15 of 1992) read with section 25 of the Depositories Act, 1996 (22 of 1996) the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996.

1. (i) These regulations may be called the SEBI (Custodian of Securities) Amendment Regulations, 1996.—  
(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. After clause (a) of sub-regulation (2) of Regulation 7 of the Securities and Exchange Board of India (Custodian of Securities) Regulations, 1996 a new proviso shall be added as follows:  
"Provided that the period specified above may be extended by the Board upto a maximum of 5 years.

[F.No. SEBI/LE/20(1) 96]

D. R. MEHTA, CHAIRMAN

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA